BELIEVERS EASTERN CHURCH

Office of the Metropolitan, Synod Secretariat, St.Thomas Community, Thiruvalla, Kerala, India.

चरवाहे का पत्र

April/May 2019

✠ पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा की महिमा हो।

मसीह में प्रिय भाइयों और बहनों,

हम मरने के लिए पैदा हुए थे; लेकिन वह (यीशु) मृत्यु पर जय पाने के लिए पैदा हुआ! हालेलुयाह! मसीह वास्तव मरे हुओं में से जीवित हुआ है अर्थात जिसे हम ईस्टर के रूप में मनाते हैं।

बाइबल कहती है, उसकी पवित्र कलीसिया के रूप में, हमें अनुशासन द्वारा जीने के लिए बुलाया गया है और आज्ञा दिया गया है जो इस संसार के नहीं हैं। (कुलु 3:1,2) और प्रथम शताब्दी से ही, पवित्र कलीसिया ने जिस सच्चाई को गले लगाया है, कि हमारे जीवन और गतिविधि, परमेश्वर की गतिविधि के चारों ओर हमारे माध्यम से केन्द्रित होने चाहिए। इसे करने का सबसे व्यवहारिक तरीका यह है कि हम उसे चर्च कैलेंडर का अनुसरण करने के द्वारा करें या इसके अनुसार जीएँ। उदाहरण के लिएः चर्च कैलेंडर में निम्न अवसरों को शामिल किया गया हैः ए) एडवेन्ट, क्रिसमस और एपिफनी – ये सीज़न यीशु मसीह के प्रथम आगमन को केन्द्रित करती हैं और इस अवसर के चारों ओर आते हैः बी) लेन्ट, पवित्र सप्ताह और ईस्टर जो पेन्तिकुस्त पर्व के साथ समाप्त होता है – ये सीज़न हमारे प्रभु यीशु मसीह के दुःखभोग, क्रूसीकरण, पुनरूत्थान पर केंद्रित करता है और सी) साधारण समय – पेन्तिकुस्त के साथ बाकी के साल हम हमारे विश्वास के विभिन्न पहलुओं को केन्द्रित करते हैं विशेषकर संसार में कलीसिया के मिशन पर करते हैं।

इस में, साल का सबसे महत्वपूर्ण सप्ताह है दुःख भोग सप्ताह या पवित्र सप्ताह। यह हमें यीशु मसीह के इस पृथ्वी पर के अंतिम सप्ताह के सीज़नों को याद दिलाती है। इस सप्ताह में, होसन्ना या खजूर इतवार, पुण्य गुरूवार, गुड फ्राइडे और ईस्टर रविवार शामिल हैं। हम से जितना हो सकता है हमें अपने सहयोगी विश्वासियों की सहायता करनी चाहिए कि वह इस सप्ताह की विशेषता को समझ सके कि वे इस सप्ताह के दौरान मनाये जा रहे सभी आराधना विधि और प्रार्थनाओं में सहभागी हो सके। ऐसा करने के लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ।

जबकि यह चरवाहे का पत्र संसार के चारों ओर कई देशों की हमारी कलीसियाओं में पढ़ी जाती है, मैं विशेषकर अपनी सभी कलीसियाओं से कहना चाहता हूँ कि भारत देश के अगामी चुनावों के लिए प्रार्थना करें। रोमियों 13 अध्याय में परमेश्वर ने हमसे कहा है कि अपने देश के शासकों के लिए प्रार्थना करें। यह हमारी कलीसिया की

रीतिरिवाज़ है, कि शासक जिसे परमेश्वर के द्वारा हमारे ऊपर नियुक्त किया गया है उनके बारे में किसी भी प्रकार की आलोचना करना या निर्दयी बातें करना पाप है। बल्कि हमारी प्रार्थना यह होनी चाहिए कि परमेश्वर सरकार के सभी स्तरों पर हमारे शासकों को नियुक्त करे जो महान राष्ट्र भारत के लिए शांति और समृद्धि लाए। कृपया यह भी मत भूलिए कि हमारे परमेश्वर ने इन चुनावों में वोट देने के अधिकार का प्रयोग करने का दायित्व हमें दिया है। दुर्भाग्यवश कुछ लोग वोट देने को गैर आध्यात्मिक कार्य समझते हैं। मुझे इसे स्पष्ट करने दें कि यह एक गंभीर गलतफहमी है और हम बिलीवर्स ईस्टर्न चर्च के सदस्य होने के नाते इस प्रकार के गलत सोच में न रहें। कृपया जाइये और वोट दीजिए।

इस पत्र को समाप्त करने से पहले, मैं एक बार पुनः आपको हमारे प्रभु यीशु मसीह की आज्ञा या विधि को याद दिलाना चाहता हूँ जिसे हम बदल नहीं सकते हैं–कि लोगों की ज़रूरत में उनकी सहायता करने और मसीह के प्रेम को बाँटने के द्वारा हमें उसका गवाह होना है। और बारम्बार, हमें परमेश्वर के द्वारा पूछे गए प्रश्न को याद दिलाया गया है, मैं किसको भेजूँ; हमारे लिए कौन जाएगा (यशायाह 6:8)? और इसे हम अन्ताकिया की कलीसिया में कार्य के रूप में देखते हैं (प्रेरितों के काम 13:2 और 3)। जहाँ पवित्र आत्मा प्रेरित पौलुस और बरनाबास को सेवकाई के लिए भेजता है। इसलिए मैं आपसे कहता हूँ जितना संभव हो सके कलीसिया की सेवकाई के लिए जवान भाई और बहनों को ढूँढें। अब से यह सबसे आवश्यक प्रार्थना निवेदन होनी चाहिए कि प्रत्येक कलीसिया, एक भाई और बहन को प्रशिक्षण के लिए भेजे ताकि हम उन्हें दुःखी और ज़रूरतमंद लोग जो परमेश्वर के प्रेम को नहीं जानते हैं, उनकी सहायता के लिए सिखा सकें और प्रशिक्षित कर सकें।

अब जो ऐसा सामर्थी है, कि हमारी बिनती और समझ से अधिक काम कर सकता है, उस सामर्थ के अनुसार जो हम में कार्य करता है, कलीसिया में, और मसीह यीशु में, उस की महिमा, पीढ़ी से पीढ़ी तक युगानुयुग होती रहे। आमीन। (इफिसियों 3:20,21)

✠मोरान मॉर एथनेशियस योहान 1 मेट्रोपॉलिटन